Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding sealing in Delhi

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली): आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्टर और एल एंड डीओ को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि हमारे क्षेत्र में सीलिंग की जो समस्या चल रही थी, उसका एक हिस्सा ठीक हुआ है । लाजपत नगर के क्षेत्र में जहाँ पर लीज डीड एग्जिक्यूट की है, 40-50 साल पुरानी प्रॉब्लम है, आज़ादी के बाद जो रिफ्यूजीज आए थे, उनके क्षेत्रों की प्रॉब्लम थी । लेकिन उसके अलावा अन्य प्रॉब्लम्स बहुत अधिक हैं, खास तौर पर लोकल शॉपिंग सेंटर्स को लेकर । मेरे यहाँ पर 20 से ऊपर लोकल शॉपिंग सेंटर्स हैं, जहाँ पर जमीन कमर्शियल है, दुकानें बनी हुई हैं, लेकिन फर्स्ट फ्लोर पर एक जमाने में शॉप-कम-रेजिडेंशियल एरिया होता था । अब सब ने थोड़ा पैसा कमा लिया तो ऊपर रहना बंद कर दिया और मकान अलग बना लिए । उस क्षेत्र को रेजिडेंशियल ट्रीट करके सीलिंग की व्यवस्था, जब एफ.ए.आर. जो बाकी इलाके रेजिडेंशियल हैं, वहाँ पर बढ़ा दिया गया, लेकिन लोकल शॉपिंग सेंटर्स के अंदर एफ.ए.आर. को नहीं बढ़ाया गया । ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे एनकरेज किया जा रहा है कि रेजिडेंशियल इलाकों में आप कमर्शियल एक्टिविटी करें और कमर्शियल इलाकों को इतना महँगा कर दें कि वहाँ कमर्शियल एक्टिविटी न हो पाए । इसी के रहते एमपीडी को जब ठीक किया जा रहा है, जब उसमें अमेंडमेंट लाए ला रहे हैं तो मेरा आग्रह है कि इन सबकी चिंता करते हुए एफएआर को लोकल शॉपिंग सेन्टर्स के लिए बढ़ाया जाए । बेसमेंट्स अलाऊ करके व्यक्तियों को न बैठने दिया जाए, लेकिन बैंकिंग व्यवस्था में लॉकर आदि को जो रखने की जो व्यवस्था है, वह अलाऊ की जाए, जो बाकी जगहों पर अलाउड है । कमर्शियल, रेजिडेंशियल के जो कन्वर्जन चार्जेज हैं, उन्हें पैरलल किया जाए और उसी के रहते जो ए,बी,सी कैटेगरी की कॉलोनीज हैं, उनके अंदर कमर्शियल एक्टिविटी किसी भी तरीके से न हो, उसके लिए वहाँ पर

रेट्स बढ़ाए जाएं, न कि बराबर किए जाएं । बाकी सब जगह पर कन्वर्जन चार्ज को बराबर किया जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री सी.पी. जोशी को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।